फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 254 प्रभात जयपुर, सोमवार 17 अप्रेल , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

To Conserve We Have to First Love it All

Shri MK Ranjitsin Jhala to come up with an act to stop this plunder of our wilderness.

Of Style, Substance and Success

Unique Salwar Suit Styles We're Loving | Dress up for a presentation at work, or meeting a friend at the movies

फ्लोरिडा के इंडियन रिवर लगून से जब बियान्का नाम की एक मैनटी (सी काओ) को बचाया गया था तब वह मात्र एक शावक थी। फिर रैस्क्यू संगठन "सीवर्ल्ड" में लंबे समय तक हुए इलाज के बाद उसे समुद्र में छोड़ दिया गया। बियान्का उन अनेकों मैनटीज़ में एक है, जिन्हें फरवरी माह में स्वास्थ्यलाभ के बाद समुद्र में छोड़ा गया। फ्लोरिडा में वर्ष 2021 और 2022 में तकरीबन 2000 मैनटी की मौत हुई, जो कि एक रिकॉर्ड था। संरक्षण समूहों का कहना है कि, यह संख्या राज्य में मैनटी की कुल आबादी की 20 प्रतिशत से अधिक है। इस आपदा के बाद वन्यजीव संस्थाओं ने मैनटी के अति महत्वपूर्ण आवास, फ्लोरिडा के पूर्वी तट पर स्थित इंडियन रिवर लगून में भूख से त्रस्त मैनटी के लिए भोजन उपलब्ध करवाना शुरु किया, क्योंकि, यहां पानी खराब होने के कारण सी ग्रास में भारी कमी आई है, जो मैनटी का प्रमुख भोजन है। अब रैस्क्यू की गई कई बीमार और घायल मैनटी समुद्र में वापस जाने के लिए तैयार हैं। सीवर्ल्ड की योजना अपनी रिहैब स्पेस को बढ़ाने की है, ताकि और ज्यादा मैनटीज़ को बचाया जा सके। सीवर्ल्ड जैसी सुविधाओं पर लाई जाने वाली अधिकांश मैनटी मरणासन्न होती हैं। भूखमरी से रिकवरी बहुत लम्बे समय में होती है, इसमें 6 से 8 माह लग जाते हैं, खासकर अनाथ बच्चों को, क्योंकि वे अपनी मां के प्रशिक्षण से वंचित रह जाते हैं और नहीं जानते कि सर्दी के मौसम में गर्म पानी में भोजन कैसे ढूंढें। क्लियर वॉटर अक्वेरियम की शोध वैज्ञानिक, मोनिका रॉस कहती हैं, महत्वपूर्ण बात यह है कि, इन शावकों को दूसरा मौका मिल रहा है और ठीक होकर ये अपने मूल आवास में लौट रहे हैं। इस प्रयास से फ्लोरिडा में मैनटी की आबादी बढ़ी है और ठंड के प्रति संवेदनशील इस जीव की, सर्दी में होने वाली मौतों में कमी आई है। इसके अलावा एजेंसी द्वारा शुरु किए गए भोजन उपलब्ध कराने के कार्यक्रम के फलस्वरुप अपने मूल आवास में भी मैनटी स्वस्थ नज़र आ रही हैं। इंडियन रिवर लगून में भी अब मैनटी दिखने लगी हैं, वहां सी ग्रास भी बढ़ने लगी है। पर फ्लोरिडा की मैनटीज़ के सामने अभी भी कई खतरे हैं। एक तो यह कि, सर्दी के महीनों में ये पावर प्लांट्स के आसपास के गर्म पानी पर निर्भर रहती हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन की वजह से कालान्तर में पावर कम्पनियाँ पैट्रोल-डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन त्याग देंगी, उस समय मैनटीज़ को प्राकृतिक गर्म पानी के स्रोत, जैसे ब्लू स्प्रिंग में भेजना होगा।

केन्द्रीय चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को सुप्रीम कोर्ट में पुनः चुनौती

एन.जी.ओ. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने याचिका में दावा किया है कि, उनकी नियुक्ति मनमाने तरीके से की गई है और चुनाव आयोग की अखण्डता और स्वतंत्रता का उल्लंघन किया गया है

- एन.जी.ओ. ने चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक तटस्थ और स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की है।
- याचिका में आरोप लगाया गया है कि, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने अपने लाभ के लिए योजनाबद्ध सावधानीपूर्वक बनाई गई चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया है।
- सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो मार्च के फैसले में कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की सदस्यता वाली समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति करेंगे, ताकि चुनाव की शुचिता बनी रहे।

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए.डी.आर.) ने चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गैर सरकारी संगठन ने दावा किया है कि उनकी नियुक्ति मनमाने तरीके से की गई है और चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता और स्वतंत्रता का उल्लंघन किया गया है।

एन.जी.ओ. ने चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक तटस्थ और स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने अपने लाभ के लिए योजनाबद्ध सावधानीपूर्वक बनाई गई चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया है। याचिका में कहा गया है, 19 नवंबर 2022 की अधिसूचना के जरिए चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति को चुनौती देते हुए जनहित में रिट याचिका इस आधार पर दायर की जा रही है कि नियुक्ति मनमानी है और भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता व स्वतंत्रता का उल्लंखन करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो मार्च के फैसले में कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश (सी.जे.आई.) की सदस्यता वाली समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति करेंगे, ताकि चुनाव की शुचिता बनी रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह इस बात से हैरान है कि नौकरशाह अरुण गोयल ने पिछले साल 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन कैसे किया जबकि उन्हें चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के प्रस्ताव के बारे में जानकारी नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजीव कुमार की 15 मई, 2022 से मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्ति के बाद चुनाव आयुक्त का पद रिक्त हो गया था। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्ति स्पष्ट रूप से इस आधार पर की गई थी कि नियुक्ति में कोई बाधा नहीं है, क्योंकि कोई विशिष्ट कानून नहीं है। न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने केंद्र की इस दलील पर गौर किया कि एक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए 18 नवंबर, 2022 को मंजूरी मांगी गई थी और उसी दिन भारत सरकार के सचिव के पद पर सेवारत और सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारियों के डाटाबेस को शामिल किया गया था। इसे एक्सेस किया गया था।

उन्होंने कहा, "उसी दिन यानी 18 नवंबर, 2022 को एक नोट डाला गया था, जिसमें कानून मंत्री ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के विचार के लिए चार नामों के पैनल का सुझाव दिया था...इसमें कहा गया है– नियुक्ति करने वाले को दिसंबर 2022 में सेवानिवृत्त होना था और उसने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी और वह समिति के चार सदस्यों में सबसे युवा पाया गया... आश्चर्य की बात नहीं है, उसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जगदीश शेट्टार ने अमित शाह का ऑफर भी ठुकरा दिया और अंततः भाजपा छोड़ दी

मु.मंत्री बोम्मई ने बताया कि, गृह मंत्री अमित शाह ने खुद फोन करके जगदीश शेट्टार को दिल्ली में बड़ा पद देने की पेशकश की थी

- कयास लगाए जा रहे हैं कि पूर्व मु.मंत्री जगदीश शेट्टार सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं।
- यह दिग्गज नेता हुबली-धारवाड़ विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रह चुके हैं।
- कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 से पहले बीजेपी में नेताओं का पार्टी छोड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। अब तक कुल आठ बड़े बीजेपी नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।

बैंगलुरु, 16 अप्रेल। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और विधायक जगदीश शेट्टार ने रविवार (16 अप्रैल) को राज्य विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। इससे पहले शेट्टार ने बीजेपी से टिकट कटने के बाद 15 अप्रैल को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। यह दिग्गज नेता हुबली-धारवाड़ विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रह चुके हैं।

कयास लगाए जा रहे हैं कि जगदीश शेट्टार सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। टिकट कटने के बाद से ही जगदीश शेट्टार लगातार बीजेपी हाईकमान के संपर्क में थे। लेकिन शीर्ष नेतृत्व से बात नहीं बनने के बाद उन्होंने बीजेपी छोड़ने का मन बनाया। उन्होंने हुबली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि मैंने विधानसभा और बीजेपी से इस्तीफा देने का फैसला किया है। मैंने इस पार्टी को खड़ा किया। लेकिन उन्होंने (पार्टी के कुछ नेताओं) ने मेरे लिए पार्टी से इस्तीफा देने की स्थिति पैदा कर दी।

जगदीश शेट्टार के बीजेपी छोड़ने के बाद कर्नाटक के सी.एम. बसवराज बोम्मई ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी शनिवार को शेट्टार को फोन किया था और उन्हें मनाने की कोशिश की थी। वहीं, बीजेपी ने कहा कि जगदीश शेट्टार ने पार्टी के ऊपर खुद को तरजीह दी है। बीजेपी आलाकमान लगातार उनसे बातचीत करके मामला हल करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन शेट्टार ने पार्टी से बढ़कर खुद को अहमियत दी।

इससे पहले सी.एम. बसवराज बोम्मई और केंद्रीय मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान और प्रल्हाद जोशी ने शेट्टार को मनाने की भरसक कोशिश की थी। सी.एम. बोम्मई ने आगे कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने शेट्टार को दिल्ली में एक बड़े पद का वादा किया था। मैंने भी शेट्टार से वादा किया था कि उनकी पसंद के उम्मीदवार को टिकट दिया जाएगा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सराफ ने सी.सी.टी.वी. कैमरों का लोकार्पण किया

जयपुर, 16 अप्रेल (का.सं.)। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 136 नीलकंठ कॉलोनी सी ब्लॉक में विधायक कोष से प्रदत्त राशि से लगवाये गये सी.सी.टी.वी. कैमरों का लोकार्पण किया।

- विधायक कालीचरण सराफ ने विधायक कोष से इन सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था की है।

स्थानीय पार्षद उषा टाटीवाल ने बताया कि नीलकंठ कॉलोनी में सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय लोगों की मांग पर सराफ ने विधायक कोष से सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाये हैं जिसका आज लोकार्पण किया गया। सराफ ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से आजकल कॉलोनियों में बदमाशों के द्वारा वाहनों के कांच तोड़े जा रहे हैं, लगातार चोरियां हो रही हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री की डिग्री मामले में केजरीवाल को समन

अहमदाबाद की जिला अदालत ने प्र.मंत्री के खिलाफ व्यंग्यात्मक/अपमानजनक बयान देने के मामले में नोटिस जारी किया

- अदालत ने राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को भी समन जारी किया है।
- अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जयेशभाई चोवटिया की अदालत ने आप के इन दो नेताओं को 23 मई को पेश होने के लिए सम्मन जारी किया है।

अहमदाबाद, 16 अप्रेल। अहमदाबाद की एक अदालत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अकादमिक डिग्री को लेकर गुजरात विश्वविद्यालय के खिलाफ कथित व्यंग्यात्मक और अपमानजक बयान देने पर दायर आपराधिक मानहानि की एक शिकायत के सिलसिले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को सम्मन जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट जयेशभाई चोवटिया की अदालत ने शनिवार को 'आप के इन दो नेताओं को 23 मई को पेश होने के लिए सम्मन जारी किया। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया उनके खिलाफ गुजरात विश्वविद्यालय के पंजीयक पीयूष पटेल की एक शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि) के तहत एक मामला बनता है।

अदालत ने मामले के वाद शीर्षक में केजरीवाल के नाम से 'मुख्यमंत्री हटाने का भी आदेश देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी निजी हैसियत से ये बयान दिए। गुजरात उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री की डिग्री पर गुजरात विश्वविद्यालय को सूचना उपलब्ध कराने के मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश को रद्द करने का फैसला दिया था जिसके बाद केजरीवाल और सिंह ने ये टिप्पणियां की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने मोदी की डिग्री को लेकर विश्वविद्यालय पर निशाना साधते हुए संवाददाता सम्मेलनों में तथा ट्विटर पर "अपमानजनक बयान दिए। उन्होंने कहा कि गुजरात विश्वविद्यालय को निशाना बनाने वाली उनकी टिप्पणियां अपमानजनक थी और ये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विष्णु शर्मा को मिला राष्ट्रपति अवार्ड

जयपुर, 16 अप्रेल (का.सं.)। विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन की ओर से नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शनी एवं प्रतिभा पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें देश एवं विदेश जाने माने इनोवर्टर विष्णु कुमार शर्मा नांगल लोटवाडा निवासी का भी राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के हाथों सम्मान हुआ। उन्हें सम्मान स्वरूप ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र व चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

- विष्णु शर्मा को विज्ञान एवं इनोवेशंस के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति ने पुरस्कृत किया। उन्हें इससे पहले भी कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

शर्मा को यह सम्मान आयुर्वेद के क्षेत्र में कैंसर दवा इजाद करने पर मिला। शर्मा को इससे पहले भी कई बार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। दवा का पेटेंट भी मिल चुका है जो कि गौरवान्विति का विषय है। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिक मंत्री डॉक्टर जितेंद्र सिंह, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सचिव चंद्रशेखर नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के सचिव विपिन कुमार भी मौजूद थे।

केजरीवाल के संदर्भ में कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे से अलग राय रखते हैं माकन

अजय माकन ने कहा, केजरीवाल जैसे लोगों को किसी भी तरह का समर्थन नहीं दिया जाना चाहिये

- गौरतलब है कि, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दो दिन पहले केजरीवाल को फोन कर उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी साथ ही आश्वासन दिया था कि, मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई में कांग्रेस उनके साथ है।
- खड़गे ने विपक्षी एकता की मुहिम के तहत केजरीवाल को फोन कर यह मैसेज देने की कोशिश की थी अब वाकई में पूरा विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट हो रहा है।

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से रविवार को सी.बी.आई. ने करीब साढ़े आठ घंटे पूछताछ की।

हालांकि पूछताछ से पहले कई विपक्षी दलों ने केजरीवाल के साथ एकजुटता प्रदर्शित की थी। हालांकि केजरीवाल को लेकर कांग्रेस से दो अलग-अलग सुर सामने आ रहे हैं। जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें फोनकर एकजुटता दिखाई थी, वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा है कि केजरीवाल जैसे लोगों और उनके साथियों को किसी भी तरह की सहानुभूति या समर्थन नहीं दिया जाना चाहिए.

कांग्रेस नेता अजय माकन ने आज एक ट्वीट कर कहा, "मेरा मानना है कि केजरीवाल जैसे लोगों और उनके साथियों को, जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं, किसी तरह की सहानुभूति या समर्थन नहीं दिया जाना चाहिए। लिकरगेट और घीगेट के आरोपों की गहन जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों को सजा मिलनी चाहिए।"

अपने ट्वीट में माकन ने लिखा, "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक नेताओं के लिए यह पहचानना जरूरी है कि केजरीवाल ने भ्रष्ट तरीकों से अर्जित धन का पंजाब, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली सहित कई राज्यों में कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल किया है।"

गौरतलब है कि, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सी.बी.आई. द्वारा कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन किए जाने के मद्देनजर शुक्रवार शाम को उनसे फोन पर बात की थी। सूत्रों ने बताया कि खड़गे ने केजरीवाल को फोन किया और एकजुटता प्रकट की। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं की राय थी कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए व्यापक विपक्षी एकजुटता होनी चाहिए।

गौरतलब है कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को सी.बी.आई. के समक्ष पूछताछ के लिए पेश हुये। केजरीवाल से सी.बी.आई. ने नौ घंटे पूछताछ की। सी.बी.आई. दिल्ली की नई आबकारी नीति मामले में मु.मंत्री केजरीवाल की संलिप्तता की जांच कर रही है।

रणथंभौर की बाघिन 'लाडली' टी-8 घायल

सवाई माधोपुर, 16 अप्रैल (निरस)। रणथम्भौर में बाघों की ट्रेकिंग को लेकर वन विभाग पर लगातार सवाल खड़े हो रहे है। इसी कड़ी में एक बार फिर रणथंभौर से बुरी खबर सामने आई है। रणथंभौर की फलौदी रेंज के बलास वन क्षेत्र में विचरण करने वाली लाडली नामक बाघिन टी-8 के घायल होने की जानकारी सामने आई है। पार्क भ्रमण पर गये पर्यटकों को बाघिन टी-8 लाडली लंगडाती हुई दिखाई दी है। जिसकी सूचना पर्यटकों ने वन विभाग को दी है।

- पर्यटकों को लंगडाती दिखाई दी बघिन टी-8 फलौदी रेंज के बलास वन क्षेत्र में विचरण करती है लाडली।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह की पारी में रणथम्भौर की फलौदी रेंज में पर्यटकों को बाघिन टी-8 लाडली के दीदार हुए। पर्यटकों को बाघिन बलास वन क्षेत्र में दिखाई दी। इस दौरान बाघिन आगे के पैर से लंगडाती हुई नजर आई। बाघिन अपने आगे के पैर का पंजा जमीन पर नहीं रख पा रही थी और लंगड़ाकर चल रही थी। जिसकी सूचना पर्यटकों ने वन विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटना की जानकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)